



राष्ट्रीय नवीन मेल

रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित

www.rastriyanaveenmail.com

● रांची ● कैशाख शुक्ल पक्ष 08 ● विक्रम संवत् 2080 ● शुक्रवार, 28 अप्रैल 2023 ● वर्ष-24 ● अंक- 85 ● पृष्ठ-12 ● मूल्य ₹ 2.00



हेमन्त सरकार का संवेदनशील प्रयास

जीवन रक्षा को मिली उड़ान



झारखण्ड की जनता के लिए पहली बार

एयर एम्बुलेंस सेवा का शुभारंभ

०५० मुख्य अतिथि ०५०

श्री हेमन्त सोरेन

माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड



दिनांक - 28.04.2023 | समय - अपराह्न 01:00 बजे

स्थान - स्टेट हैंगर, बिसा मुंडा एयरपोर्ट, रांची

रांची तथा

देवघर	दुमका
बोकारो	धनबाद
जमशेदपुर	गिरिधील
एयरपोर्ट पर भी एयर एम्बुलेंस सेवा होगी उपलब्ध	

अधिकातम दो घंटे में

एयर एम्बुलेंस उड़ान हेतु होगा
तैयार।
आपातकालीन उपकरणों सहित
चिकित्सक के साथ सेवा होगी
उपलब्ध

नागर विमानन प्रभाग से संपर्क करें -

+91 82105 94073

0651-4665515

airambulance.cad@gmail.com

बदलते मौसम में लोगों को दो मई तक मिलेगी तपती गर्मी से राहत



रांची मेल संवाददाता। रांची यहाँ में बदले मौसम में लोगों को तपती गर्मी से बड़ी राहत दी है। मौसम विज्ञान विभाग ने गुरुवार को इस संबंध में सूचना जारी कर बताया है कि आगामी दो मई तक राज्य में मौसम खुशनुमा रहने वाला है। इस दौरान राज्य के कुछ स्थानों पर बारिश होगी, जबकि कई इलाकों में आसामन पर बादल छाए रहेंगे। यहाँ गुरुवार सुबह से ही आकाश में बादल छाए हुए हैं और बताया है कि आगामी दो मई तक मिल रही है। गर्मी के मौसम में प्री

आनंद ने बताया कि राज्य में मौसम का यही मिजाज अलग कुछ दिनों तक बने रहने की संभावना है। राज्य के ऊपर एक बार बन रहा है। इसी का असर राज्य के सभी जिलों में नजर आ रहा है। आनंद ने बताया कि टर्फ के कारण ही आशंका बादल बन रहे हैं। दो मई तक कहाँ-कहाँ हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना है। जिन इलाकों में बारिश होगी, उनमें 28 अप्रैल को दक्षिणी और सर्वे मध्य झारखण्ड में गर्जन के साथ बारिश की संभावना है। अनेक वाले पाच दिनों के भीतर तेज हवा और गरज के साथ बारिश होगी। 40 से 50 किमी प्रतिघण्टे की फैफरात से तेज हवा के साथ बज़पात का भी अलर्ट जारी किया गया है। हालांकि अधिकतम तापमान में बड़े बदलाव के कोई संकेत नहीं है।

जमशेदपुर में जुटेंगे देशभर के ढाई सौ फिजिशियन

रांची। देश के विभिन्न राज्यों के ढाई सौ से ज्यादा फिजिशियन अप्रैल तक जमशेदपुर में जुटेंगे। बिहार में एसेसेंसन ऑफ फिजिशियन औफ इंडिया झारखण्ड शायदी के अध्यक्ष डॉ. उमेश खां ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तीन दिन तक कांफेंस का आयोजन होगा। इसमें टार्क अपनी-अपनी राय देकर विभागों से अवगत करायेंगे कांफेंस में विभिन्न बीमारियों पर चर्चा की जाएगी, जिसमें चार पदाधिकारी डॉ. गिरिश माशुर, डॉ. कमलेश तिवारी, डॉ. ज्येतर्याय पाल और डॉ. मणेश तिवारकर बीमारियों पर अपनी राय रखेंगे।

24 घंटे में 148 नये मरीज भिले, एक्टिव केस 470

पूर्वी सिंहभूम में सबसे अधिक 223 कोरोना संक्रमित पाये गये



रांची मेल संवाददाता। रांची झारखण्ड में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में लगातार ज्ञापा हो रहा है। राज्य के 19 जिले में हैं इन्हें तत्वार्थ में है। बीते 24 घंटे में राज्य भर में 148 नये मरीज मिले हैं। झारखण्ड में एक्टिव केस 470 पहुंच गया है। पूर्वी सिंहभूम में सबसे ज्ञापा 103 नये संक्रमित मरीज पाये गये हैं। इसी के साथ जिले में संक्रमितों का अंकड़ा बढ़कर 223 पर पहुंच गया है। जबकि रांची में 24 संक्रमित मरीज मिले हैं। वहाँ मरीजों की संख्या

बढ़कर 87 हो गयी है। हालांकि राहत यह ही है कि इस दौरान 44 मरीज स्वस्थ हुए हैं। इन जिले में हैं इन्हें तत्वार्थ में 1, चतुरा में 1, देवघर में 27, धनबाद में 12, पूर्वी सिंहभूम में 223, गढ़वा में 1, परिहींडी में 6, गोड्डा में 6, गुमता में 6, हजारिया में 10, खेंटी में 3, कोटडमा में 2, लातेहार में 19, लोरहदा में 31, पलामू में 12, रामगढ़ में 5, रांची में 87, सरावकोला में 2 और पर्वथी में 8। जबकि रांची में 24 संक्रमित मरीज भिले के बढ़ना की जानकारी दी जाएगी।

चोरों ने बंद पढ़े मकान से उड़ाये पांच लाख के कीमती सामान

रांची। खुंटी थाना के छत्रपाल नगर खुंटी टोली स्थित सेना के जवान अनिल कुमार नाम के खाली पड़े आवास से चोरोंने बुधवार रात लगभग साढ़े तीन लाख रुपये मूल्य के कीमती सामानों पर हाथ साफ कर दिया। इस संबंध में अनिल कुमार नाम के श्वेतुरु सुरेश शाह ने गुरुवार को बताया कि उनके दामाद सेना में हैं और इन दिनों पंजाब के अंबाला में पदस्थापित है। बताया गया कि उनकी बेटी महेश्वरी और पोती साक्षी बुधवार को ही अंबाला से लौटी है और रात रोके रहे हैं। पिछले 15 दिनों से उत्तराखण्ड नगर के आवास में ताला लगा था। गुरुवार को सुबह बगल में रहने वाले अनिल के बड़े भाई जब घर की ओर गए, तो देखा कि घर का ताला टूटा हुआ है। जब वह घर के अंदर गए, तो उन्हें चोरों की जानकारी मिली। उन्होंने अपने भाई के शवसुक के घटना की जानकारी दी।

रांची मेल संवाददाता। रांची बढ़कर 87 हो गयी है। हालांकि राहत यह ही है कि इस दौरान 44 मरीजों की संख्या में लगातार ज्ञापा हो रहा है। राज्य के 19 जिले में हैं इन्हें तत्वार्थ में 1, चतुरा में 1, देवघर में 27, धनबाद में 12, पूर्वी सिंहभूम में 223, गढ़वा में 1, परिहींडी में 6, गोड्डा में 6, गुमता में 6, हजारिया में 10, खेंटी में 3, कोटडमा में 2, लातेहार में 19, लोरहदा में 31, पलामू में 12, रामगढ़ में 5, रांची में 87, सरावकोला में 2 और पर्वथी में 8। जबकि रांची में 24 संक्रमित मरीज भिले के बढ़ना की जानकारी दी जाएगी।

रांची मेल संवाददाता। रांची बढ़कर 87 हो गयी है। हालांकि राहत यह ही है कि इस दौरान 44 मरीजों की संख्या में लगातार ज्ञापा हो रहा है। राज्य के 19 जिले में हैं इन्हें तत्वार्थ में 1, चतुरा में 1, देवघर में 27, धनबाद में 12, पूर्वी सिंहभूम में 223, गढ़वा में 1, परिहींडी में 6, गोड्डा में 6, गुमता में 6, हजारिया में 10, खेंटी में 3, कोटडमा में 2, लातेहार में 19, लोरहदा में 31, पलामू में 12, रामगढ़ में 5, रांची में 87, सरावकोला में 2 और पर्वथी में 8। जबकि रांची में 24 संक्रमित मरीज भिले के बढ़ना की जानकारी दी जाएगी।

चोरों ने बंद पढ़े मकान से उड़ाये पांच लाख के कीमती सामान

रांची। खुंटी थाना के छत्रपाल नगर खुंटी टोली स्थित सेना के जवान अनिल कुमार नाम के खाली पड़े आवास से चोरोंने बुधवार रात लगभग साढ़े तीन लाख रुपये मूल्य के कीमती सामानों पर हाथ साफ कर दिया। इस संबंध में अनिल कुमार नाम के श्वेतुरु सुरेश शाह ने गुरुवार को बताया कि उनके दामाद सेना में हैं और इन दिनों पंजाब के अंबाला में पदस्थापित है। बताया गया कि उनकी बेटी महेश्वरी और पोती साक्षी बुधवार को ही अंबाला से लौटी है और रात रोके रहे हैं। पिछले 15 दिनों से उत्तराखण्ड नगर के आवास में ताला लगा था। गुरुवार को सुबह बगल में रहने वाले अनिल के बड़े भाई जब घर की ओर गए, तो देखा कि घर का ताला टूटा हुआ है। जब वह घर के अंदर गए, तो उन्हें चोरों की जानकारी मिली। उन्होंने अपने भाई के शवसुक के घटना की जानकारी दी।

रांची मेल संवाददाता। रांची बढ़कर 87 हो गयी है। हालांकि राहत यह ही है कि इस दौरान 44 मरीजों की संख्या में लगातार ज्ञापा हो रहा है। राज्य के 19 जिले में हैं इन्हें तत्वार्थ में 1, चतुरा में 1, देवघर में 27, धनबाद में 12, पूर्वी सिंहभूम में 223, गढ़वा में 1, परिहींडी में 6, गोड्डा में 6, गुमता में 6, हजारिया में 10, खेंटी में 3, कोटडमा में 2, लातेहार में 19, लोरहदा में 31, पलामू में 12, रामगढ़ में 5, रांची में 87, सरावकोला में 2 और पर्वथी में 8। जबकि रांची में 24 संक्रमित मरीज भिले के बढ़ना की जानकारी दी जाएगी।

रांची मेल संवाददाता। रांची बढ़कर 87 हो गयी है। हालांकि राहत यह ही है कि इस दौरान 44 मरीजों की संख्या में लगातार ज्ञापा हो रहा है। राज्य के 19 जिले में हैं इन्हें तत्वार्थ में 1, चतुरा में 1, देवघर में 27, धनबाद में 12, पूर्वी सिंहभूम में 223, गढ़वा में 1, परिहींडी में 6, गोड्डा में 6, गुमता में 6, हजारिया में 10, खेंटी में 3, कोटडमा में 2, लातेहार में 19, लोरहदा में 31, पलामू में 12, रामगढ़ में 5, रांची में 87, सरावकोला में 2 और पर्वथी में 8। जबकि रांची में 24 संक्रमित मरीज भिले के बढ़ना की जानकारी दी जाएगी।

रांची मेल संवाददाता। रांची बढ़कर 87 हो गयी है। हालांकि राहत यह ही है कि इस दौरान 44 मरीजों की संख्या में लगातार ज्ञापा हो रहा है। राज्य के 19 जिले में हैं इन्हें तत्वार्थ में 1, चतुरा में 1, देवघर में 27, धनबाद में 12, पूर्वी सिंहभूम में 223, गढ़वा में 1, परिहींडी में 6, गोड्डा में 6, गुमता में 6, हजारिया में 10, खेंटी में 3, कोटडमा में 2, लातेहार में 19, लोरहदा में 31, पलामू में 12, रामगढ़ में 5, रांची में 87, सरावकोला में 2 और पर्वथी में 8। जबकि रांची में 24 संक्रमित मरीज भिले के बढ़ना की जानकारी दी जाएगी।

रांची मेल संवाददाता। रांची बढ़कर 87 हो गयी है। हालांकि राहत यह ही है कि इस दौरान 44 मरीजों की संख्या में लगातार ज्ञापा हो रहा है। राज्य के 19 जिले में हैं इन्हें तत्वार्थ में 1, चतुरा में 1, देवघर में 27, धनबाद में 12, पूर्वी सिंहभूम में 223, गढ़वा में 1, परिहींडी में 6, गोड्डा में 6, गुमता में 6, हजारिया में 10, खेंटी में 3, कोटडमा में 2, लातेहार में 19, लोरहदा में 31, पलामू में 12, रामगढ़ में 5, रांची में 87, सरावकोला में 2 और पर्वथी में 8। जबकि रांची में 24 संक्रमित मरीज भिले के बढ़ना की जानकारी दी जाएगी।

रांची मेल संवाददाता। रांची बढ़कर 87 हो गयी है। हालांकि राहत यह ही है कि इस दौरान 44 मरीजों की संख्या में लगातार ज्ञापा हो रहा है। राज्य के 19 जिले में हैं इन्हें तत्वार्थ में 1, चतुरा में 1, देवघर में 27, धनबाद में 12, पूर्वी सिंहभूम में 223, गढ़वा में 1, प

शहादत व मुआवजा

सावधानी हीटी, दुर्घटना घटी। यह बातें छत्तीसगढ़ में देखने को मिली। नक्सलियों के आईटी धमाके में डीआरजी के 10 जवान और एक बाजन चालक शहीद हो गये। ऐसे में सबल उठता है कि इन्होंने बड़ी चुकौ कैसे हो गयी? जबकि सबको पता है कि यह इलाका नक्सलियों का अभियान चाल रखता है। साथ ही वह पता है कि इन इलाकों में नक्सलियों ने पहले से ही खिलाफ बिछा रखते हैं। ऐसे में जवानों ने इन गासों का चयन क्यों किया। साथ ही इस बात की पक्की जानकारी थी कि नक्सली व्यापार हैं। नक्सलियों के खिलाफ अभियान के लिए भेजते समय इस बात की क्यों नहीं जानकारी हासिल की गई कि रास्ते दुर्घात हैं। हमला हो सकता है। इसका जवाब तो बरीय अधिकारियों को देना ही पड़ेगा। जवानों की शहादत यह बताते के लिए काफी है कि उन्होंने जिस तरीके से शहादत दी है, उसके पछे प्रश्नावाही प्रथम दृष्ट्या दिखती है। अब जांच के बाद पता चलेगा कि गलती कहाँ हुई है। बहुमाल यह घटना काफी दुखद है। जिसकी जिती भी निंदा की जाये कम है। ऐसे में ऐसी घटनाओं से सबक लेने की जरूरत है। वैसे भी यह इलाका पूरे देश में नक्सली घटनाओं के लिए जाना जाता है। इसके पूर्व भी दर्तेवाड़ा में कई पुलिसकर्मियों ने शहादत दी है। बुधवार के विपक्ष दिन जबर्दस्त था कि जिस जगह पर

आईटी विस्कोट किया गया, वहाँ बड़ा गङ्गा बन गया है। वहाँ, जिस पिकअप वाहन से जवान जा रहे थे, धमाके में उसके परखच्चे उड़ गये। छत्तीसगढ़ के दर्तेवाड़ा जिले के थाना अरनंपुर क्षेत्र के अंतर्गत माओवादी कैडर की उपस्थिति की जानकारी पर नक्सल विरोधी अभियान चलाया गया था। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि नक्सलियों ने जिस सङ्केत पर बालू की सुरंग बनाई वह दर्तेवाड़ा से सुकूपों के बालू के जगरंगुड़ इलाकों को जोड़ती है। ऐसे में नक्सलियों के काफिले के कारण इस सङ्केत को बढ़ दिया गया था। गोपतलब है कि इस सङ्केत के लिए कई जवानों ने अपनी शहादत दी है। इस वारदात के बाद प्रशासन की लापरवाही सामने आयी है, जिसे कि सुरक्षाकर्मियों ने प्रोटोकॉल को नहीं माना। वहाँ, हमले से पहले पुसिकर्मियों के काफिले के रूट की चेकिंग और रोड ऑपरेशन पेटोलिंग नहीं की गई थी। जिस जगह यह नक्सली हमला हुआ है, वह जगह राजधानी रायपुर से लगभग साढ़े 450 किलोमीटर दूर है। इस इलाके में जो सबसे नजदीकी पुलिस थाना है, वह उसांह से सिफ के किलोमीटर दूर बताया जा रहा है। ऐसे में वहाँ की सरकार और प्रशासन की लापरवाही सामने आयी है, जिसे कि सुरक्षाकर्मियों को हल्के रोडों तक आया जाया करते हैं। छत्तीसगढ़ की घटना का सीधा असर कुछ दिनों के बाद ज्ञारखंड में भी दिखते लगता है। इस स्थिति में झारखंड में चौकसी जरूरी है। जबहाँ एक और नक्सलियों के सफाये की बात की जा रही है, जिसकी उपर्युक्ति हैरान करने वाली है। ऐसे में नक्सल गतिविधियों को हल्के में लेने की भी जरूरत नहीं है। कारण अब बन नक्सली जंगलों में शाति नहीं होती है। ऐसे में आइये ऐसा असामाजिक तत्वों के खिलाफ आवाज उठायें। कारण शहादत का कोई मुआवजा नहीं होता है।

नक्सलियों के खिलाफ अधियान के लिए भेजते समय इस बात की जानकारी क्यों नहीं हासिल की गई कि रास्ते दुर्घात हैं। हमला हो सकता है। इसका जवाब तो बरीय अधिकारियों को देना ही पड़ेगा।



विश्वात भारतीय संस्कृति और परपातों में बचपन से ही पढ़ाई के साथ-साथ खेलों का भी एक विशेष महत्व रहा है। हमारा यह विश्वास रहा है कि जिस प्रकार अध्ययन मानसिक विकास में आवश्यक है, उसी तरह खेल शारीरिक विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हमारे जीवन में खेल और स्वास्थ्य का बहुत बड़ा योगदान है। खेल हमारे भीतर ठीम भावना पैदा करते हैं। साथ ही वह पता है कि इन इलाकों में नक्सलियों के खिलाफ अभियान के लिए भेजते समय इस बात की क्यों नहीं जानकारी हासिल की गई कि रास्ते दुर्घात हैं। हमला हो सकता है। इसका जवाब तो बरीय अधिकारियों को देना ही पड़ेगा।

विश्वात भारतीय संस्कृति और परपातों में बचपन से ही पढ़ाई के साथ-साथ खेलों का भी एक विशेष महत्व रहा है। हमारा यह विश्वास रहा है कि जिस प्रकार अध्ययन मानसिक विकास में आवश्यक है, उसी तरह खेल शारीरिक विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हमारे जीवन में खेल और स्वास्थ्य का बहुत बड़ा योगदान है। खेल हमारे भीतर ठीम भावना पैदा करते हैं। साथ ही वह पता है कि इन इलाकों में नक्सलियों के खिलाफ अभियान के लिए भेजते समय इस बात की क्यों नहीं जानकारी हासिल की गई कि रास्ते दुर्घात हैं। हमला हो सकता है। इसका जवाब तो बरीय अधिकारियों को देना ही पड़ेगा।

विश्वात भारतीय संस्कृति और परपातों में बचपन से ही पढ़ाई के साथ-साथ खेलों का भी एक विशेष महत्व रहा है। हमारा यह विश्वास रहा है कि जिस प्रकार अध्ययन मानसिक विकास में आवश्यक है, उसी तरह खेल शारीरिक विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हमारे जीवन में खेल और स्वास्थ्य का बहुत बड़ा योगदान है। खेल हमारे भीतर ठीम भावना पैदा करते हैं। साथ ही वह पता है कि इन इलाकों में नक्सलियों के खिलाफ अभियान के लिए भेजते समय इस बात की क्यों नहीं जानकारी हासिल की गई कि रास्ते दुर्घात हैं। हमला हो सकता है। इसका जवाब तो बरीय अधिकारियों को देना ही पड़ेगा।

विश्वात भारतीय संस्कृति और परपातों में बचपन से ही पढ़ाई के साथ-साथ खेलों का भी एक विशेष महत्व रहा है। हमारा यह विश्वास रहा है कि जिस प्रकार अध्ययन मानसिक विकास में आवश्यक है, उसी तरह खेल शारीरिक विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हमारे जीवन में खेल और स्वास्थ्य का बहुत बड़ा योगदान है। खेल हमारे भीतर ठीम भावना पैदा करते हैं। साथ ही वह पता है कि इन इलाकों में नक्सलियों के खिलाफ अभियान के लिए भेजते समय इस बात की क्यों नहीं जानकारी हासिल की गई कि रास्ते दुर्घात हैं। हमला हो सकता है। इसका जवाब तो बरीय अधिकारियों को देना ही पड़ेगा।

विश्वात भारतीय संस्कृति और परपातों में बचपन से ही पढ़ाई के साथ-साथ खेलों का भी एक विशेष महत्व रहा है। हमारा यह विश्वास रहा है कि जिस प्रकार अध्ययन मानसिक विकास में आवश्यक है, उसी तरह खेल शारीरिक विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हमारे जीवन में खेल और स्वास्थ्य का बहुत बड़ा योगदान है। खेल हमारे भीतर ठीम भावना पैदा करते हैं। साथ ही वह पता है कि इन इलाकों में नक्सलियों के खिलाफ अभियान के लिए भेजते समय इस बात की क्यों नहीं जानकारी हासिल की गई कि रास्ते दुर्घात हैं। हमला हो सकता है। इसका जवाब तो बरीय अधिकारियों को देना ही पड़ेगा।

विश्वात भारतीय संस्कृति और परपातों में बचपन से ही पढ़ाई के साथ-साथ खेलों का भी एक विशेष महत्व रहा है। हमारा यह विश्वास रहा है कि जिस प्रकार अध्ययन मानसिक विकास में आवश्यक है, उसी तरह खेल शारीरिक विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हमारे जीवन में खेल और स्वास्थ्य का बहुत बड़ा योगदान है। खेल हमारे भीतर ठीम भावना पैदा करते हैं। साथ ही वह पता है कि इन इलाकों में नक्सलियों के खिलाफ अभियान के लिए भेजते समय इस बात की क्यों नहीं जानकारी हासिल की गई कि रास्ते दुर्घात हैं। हमला हो सकता है। इसका जवाब तो बरीय अधिकारियों को देना ही पड़ेगा।

विश्वात भारतीय संस्कृति और परपातों में बचपन से ही पढ़ाई के साथ-साथ खेलों का भी एक विशेष महत्व रहा है। हमारा यह विश्वास रहा है कि जिस प्रकार अध्ययन मानसिक विकास में आवश्यक है, उसी तरह खेल शारीरिक विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हमारे जीवन में खेल और स्वास्थ्य का बहुत बड़ा योगदान है। खेल हमारे भीतर ठीम भावना पैदा करते हैं। साथ ही वह पता है कि इन इलाकों में नक्सलियों के खिलाफ अभियान के लिए भेजते समय इस बात की क्यों नहीं जानकारी हासिल की गई कि रास्ते दुर्घात हैं। हमला हो सकता है। इसका जवाब तो बरीय अधिकारियों को देना ही पड़ेगा।

विश्वात भारतीय संस्कृति और परपातों में बचपन से ही पढ़ाई के साथ-साथ खेलों का भी एक विशेष महत्व रहा है। हमारा यह विश्वास रहा है कि जिस प्रकार अध्ययन मानसिक विकास में आवश्यक है, उसी तरह खेल शारीरिक विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हमारे जीवन में खेल और स्वास्थ्य का बहुत बड़ा योगदान है। खेल हमारे भीतर ठीम भावना पैदा करते हैं। साथ ही वह पता है कि इन इलाकों में नक्सलियों के खिलाफ अभियान के लिए भेजते समय इस बात की क्यों नहीं जानकारी हासिल की गई कि रास्ते दुर्घात हैं। हमला हो सकता है। इसका जवाब तो बरीय अधिकारियों को देना ही पड़ेगा।

विश्वात भारतीय

